चमोली हिमस्खलन

चर्चा में क्यों?

1 मार्च, 2025 को **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के चमोली ज़िले** के माणा गाँव के पास **हिमस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण** किया।

- उन्होंने **जोशीमठ का भी दौरा किया** तथा घटनास्थल से बचाए गए घायल **सीमा सड़क संगठन (BRO) श्रमिकों से मुलाकात की।**

मुख्य बिंदु

- **माना हिमस्खलन में बचाव अभियान:**
  - बचाव दल ने बर्फ में फंसे **55 BRO श्रमिकों में से 47 को सफलतापूर्वक बचा लिया है।**
  - आठ श्रमिक अभी भी फँसे हुए हैं तथा बचाव कार्य अभी भी जारी है।
  - अधिकारियों ने **बचाव कार्यों में सहायता के लिये सेना के चार हेलीकॉप्टर** तैनात किये हैं।
- **सरकारी एवं प्रशासनिक प्रयास:**
  - यह पुष्टि की गई कि केंद्र और राज्य सरकार की सहायता से चार हेलीकॉप्टर बचाव अभियान में शामिल हो गए हैं।
  - बचाए गए सात श्रमिकों को उपचार के लिये जोशीमठ अस्पताल ले जाया गया है।
  - डॉक्टर उनकी स्थिति पर नज़र रख रहे हैं और उनमें से तीन की हालत स्थिर बताई गई है।
- **सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त प्रयास:**
  - माणा गाँव के निकट हुए हिमस्खलन में कई BRO श्रमिक बर्फ के नीचे दब गए।
  - **राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF), भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)** की टीमें युद्ध स्तर पर संयुक्त बचाव अभियान चला रही हैं ।

सीमा सड़क संगठन

- **परिचय:**
  - BRO की परिकल्पना और **स्थापना 1960 में पंडित जवाहरलाल नेहरू** द्वारा देश के **उत्तरी और पूर्वोत्तर सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों के नेटवर्क** के तीव्र विकास के समन्वय के लिये की गई थी।
  - **यह रक्षा मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।
  - **इसने हवाई अड्डों, भवन परियोजनाओं, रक्षा कार्यों और सुरंग निर्माण** सहित निर्माण और विकास कार्यों के एक बड़े क्षेत्र में विविधता ला दी है और लोगों के बीच अपनी लोकप्रियता बना ली है।
- **अब तक की उपलब्धियाँ:**
  - BRO ने छह दशकों से अधिक समय में भारत की सीमाओं पर तथा **भूटान, म्याँमार, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान सहित मित्र देशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में 61,000 किलोमीटर से अधिक सड़कें, 900 से अधिक पुल, चार सुरंगें और 19 हवाई अड्डों का निर्माण किया है।**
  - वर्ष 2022-23 में, BRO ने 103 बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ पूरी कीं, जो संगठन द्वारा एक वर्ष में की गई सबसे अधिक परियोजनाएँ हैं।
    - इनमें **पूर्वी लद्दाख में श्योक ब्रिज** और अरुणाचल प्रदेश में अलोंग-यिंकियोंग रोड पर **लोड क्लास 70 का स्टील आर्क सियोम ब्रिज का निर्माण शामिल है।**

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)

- ITBP की **स्थापना 24 अक्तूबर, 1962** को हुई थी।
- यह **भारत-तिब्बत सीमा** और 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा के पहाड़ी क्षेत्रों की रक्षा करने तथा भारत की उत्तरी सीमाओं की निगरानी करने के लिये ज़िम्मेदार है।
- वर्ष 2004 में, **ITBP ने सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में असम राइफल्स** की जगह ले ली। यह बल निम्नलिखित राज्यों में भारत-चीन सीमा की सुरक्षा करता है:

- जम्मू-कश्मीर
- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखंड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश

राष्ट्रीय आपदा राहत कोष

- आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अधिनियमन के साथ **राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि (NCCF)** का नाम बदलकर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि (NDRF) कर दिया गया।
  - इसे **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (DM एक्ट) की धारा 46 में** परिभाषित किया गया है।
- किसी भी आपदा की आशंका वाली स्थिति या आपदा के कारण **आपातकालीन प्रतिक्रिया, राहत और पुनर्वास** के लिये व्यय को पूरा करने के लिये इसका प्रबंधन केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।
  - यह **गंभीर प्रकृति की आपदा के मामले में SDRF** को अनुपूरित करता है, बशर्ते SDRF में पर्याप्त धनराशि उपलब्ध न हो।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chamoli-avalanche